

2841

ASHA ARCHIVES

१ॐ नमः श्रीचक्रसम्बन्धाय ॥ २ ॥ ॐ नमः श्रीयद्मन्त्रस्य श्वनाय ॥ नमः
स्का लज्जन्दि रुस्य वृद्ध न्य खन्द गुरु नवी गगन रु काल का म नू ष्ट
गी रुस्यन्दि चक्र वा दं युक्ति निग गली तं स्मि का का गल सै मू अं क
ल न्य वृ न्दा रु न स लिल सा ग न ना लु व वा ह स्म दू द्र य या न नः
व गुरु रु ग व ग य द्मन्त्र स्य श्व नस्य जू यि च या सा सै सा न च क्र विः
न च ल य रि म लै स नि आ ग म ल ह ना सा धि य स्य य सा दा दि ग गुरुः
नि ऊ रू वी स्वा मि ना नि य य श्च नै सी म ना मा द य नि स ना मा द य
नि सूर वी क ल्य ना जाल मू की कू र्यी न स्य द्वि त य द्मै सि न सि वि न

यैः स गुरु नू सर्व काली ॥ ॐ नमः श्रीयद्म नृ ह्यंथ नाश् ॐ नमः श्रीच
 कसम्भवाय ॥ जाव ॥ धर्म धारुति न द्द दयानन्द का नी ॥ कोलाव ॥
 ज गता ला क ला च न ॥ जाव ॥ कमलासनस्तु ॥ निवर्तु ध ना क नः
 कमली ॥ कोलाक ॥ सहजानन्द कात्रिका ॥ जाव ॥ निविलति न्यद द
 साङ्गाद सुन्दरी ॥ कलाक ॥ नमः मु भ म ३३ कुमाना ॥ लाव जाव ॥ ना
 गज्ज न्धनी ॥ विश्व स ना नृ ह विध्विम्वा २ भा का न विद्यासू स म्भवा
 ॥ ५५ ॥ नमामि नमामि श्रीवागीश्वर सय नमू निति न द्द दया २ विन
 सयि कूटी गभ नम ना ह न स मैय नमू निति न द्द दया ॥ यी न निल ल

नसितवयनश्यञ्जिनमकूटमनिनयन॥ **५२** ॥ धर्मचक्रमु
 दाकृजिमनासिश्चक्षुचाययियह्मायुक्तकथासी॥ **५३** ॥ सुनासून
 नसितवलचनदीश्चनयिलयनमादीवज्जिनयुनलयन॥
 ॥ **५४** ॥ नागकनवि॥ मरुधमममहामनिकनकनाजिनहृदयवैः
 विदहृजम्बुदीपैश्चयनगणायनिउरुनकनूरुवनययञ्चव
 नदीयञ्जिनव्यायिल॥ **५५** ॥ नभयश्चवृद्ध॥ विश्वग्रीजिनविश्व
 हितविश्वहितयश्चमूर्तिश्चक्षुदीयाननावहृतिजिनमान
 साहचरुयनिमिनत्तयनधानल॥ जार्वेतेदान्यभयाउयदि

यना वाउयदियजानुदान २५ सननउयदियचउविदिगजु
वन वाउयदिः श्रीखलुयन ॥ ५॥ दिनदवलयाचि ननन
नूदियाचिन सयकजू दलचूंमिया न २ जूवनाउदियां चि न च
क्रमनि कूयनि निड्डीनिखिल वदायनी ॥ ५॥ गुनूचननीव
नसरु गनियनिरु वना मन कूसूमउ ललसीयनियूजा २ युदाव
यनिरुनस्मि न सयकयनिरुषि न रुवऊ ननिड्डिसनु रु नी ॥ ५॥
॥ नागयद्मा ॐ लि ॥ अनिल अनलऊलऊ रुवमा ॥ मनूमहुल
चऊ नाया २ वऊय ॐ लसलजालसीयनिरु नमनूमहुलचऊ

नाया॥ ५॥ दमनू दनयिया॥ शुन्य कनू ह आलिं गन रु नू वः
 दनयिया वज वा ना ही आलिं गन सम्व भव नयिया॥ च्छु नि स वि
 न वी भ श्व न ऊ हि ऊ हि न हि न हि नू यू म म न २ नू नू ह न स व
 द व वज रु स वा उ म द वी न न नि रु य न सी हा व॥ ५॥ गिरु व न
 गु द्वा न कू विय रु ना अ गिरु व न गु द्वा न कू वी न मि ना २ गि निः
 रु व न न वान न ल य सा लि हि ल रु लि या हा म्बू न का का ला॥ ५॥
 ॥ जू हि नि सि स न गु नू वा न नू दू ना (ग रु द्वा दि (ग रु व रु वा रु
 थ २ ऊ न म ऊ रु न म रु य व न न द्वा दि (ग न रु य मा नू ग य न सी

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

हा वी॥ **ॐ** ॥ नाग नलिना॥ जूनू लुनत धता वै का न रुध नन्न
नूय चि वि न वि चि उ क न सी २ॐ जा दूँ का न व जा म् त मू द के स य
सी ॥ धि न ह्ना ना म् त म र्थ ॥ **ॐ** ॥ च न्द्रा म् त न स वा धि रु ल दाय
के स व्धे डि न वा यि न स रु उ क ल ॥ २ॐ ग न म ल रु त ल गु न्य क नू
॥ ॐ व सी सा न ना स नी वि न द नू यी ॥ व ज य न मा नू सा य ग न्ध म्
सी यू नी ॥ ॐ र व स नी धा यि न य ॐ यि यू र्वी २ॐ का न म नू या ष स न्ध वः
ल व ऊ सी न धा यि न वि या क क ल सी ॥ **ॐ** ॥ नू रि ति सा ल न्द व ना
च न्द्रा ह्ना न स त्व मा नि य हि दि उ कि न नी २ॐ ग न म ल रु नू ग य लू

० गेको व न

यहा वना आकी नमन्दा किनी जल नूयी ॥ ५२ ॥ याद्यादिमानुमय गन्धम्व
सीयुग समय चक्रय वागिग विमल कल्ल गी २ म हा वा गड वीरुय वाधिति
रु नूयी समय सखल्लान चक्र भकीरु नी ॥ ५३ ॥ नागनाड ॥ न का व न हा ति
नि भाय न सुन्द नी २ अस्साद ल ग रु ऊयु रु न हा कि (हा रु रु रु द्वा द वी
वा नूणी माम कि द वी २ ज ग न यु मा दि न न ये न सु नी (ग रु रु रु द्वा द
वी वा नू नि माम रु कि द वी ॥ ५४ ॥ आ ग म व द यू ना हा व वा र था ग ध
न म दि द्वा यु नू उ य द (ग ॥ ५५ ॥ य ३ वू ह स्य नू स्व नू य द्वा रु द्वा २ स
रु मु था गि नी ले या रु नू व रु रु नू व ॥ ५६ ॥ स ग यु नू च न (हा सि नू

गगधनीया २ रु नयिसु न न वज सु ना सु नूयी नी ॥ **क** ॥ नागविला
 स ॥ (५५) कुरुदण्ड नय ३ रु न स्व नूय २ य ३ मि या न स य ३ सा नी यू जि
 या न ॥ **क** ॥ पु द्मा द व वलि नाय गिरु व न थि न २ वी न म्य नाय क स
 मयान न्द ॥ वी न वी न ३ य न स रु जान न्द २ क न क म ना व रु द द या
 न न्द ॥ **क** ॥ य ३ वृ द्ध य ३ रु न्ध स्व नूय २ द वा सु न न न य मु दि त द
 द या ॥ **क** ॥ ॐ आ दू दू दू खं (५५) ध या मि न २ द म नू य ६ ध नि वि नः
 मा न न्द ॥ **क** ॥ नाग न म स्का न ॥ ॐ आ दू दू दू ३ स्य च्छ वि म न्द म नू दू
 दू दू ॥ **क** ॥ न ना दू दू दू न ना चि न्का न ना दू दू दू ३ ध व ल सु सी वि य

चन्द्रमनू २ दूँ दूँ दूँ ३ सनद सुसैखियदह धनू दूँ दूँ दूँ ॥ **अ॥** दान्दा
 लिगनथा गधनू दूँ दूँ दूँ ३ वजघष्ठासमूडा आनादिना लदूँ दूँ दूँ
 ॥ **क॥** मायाविदविलिआ गधनू दूँ दूँ दूँ ३ स्वहिय वजसत्त्व आनाधि
 गा न दूँ दूँ दूँ ३ ॥ **ख॥** नागरु नवी ॥ ऊर्य ऊ हय वाच्छु निरु नू वधन
 न्य २ सय नसू न वज न वन्दि न चलन ॥ **ग॥** नरु नरु गव तीया
 दूमनमहिम धुल नडल घष्ठा उला हाहा ना हा दै वहा उ आरु ल
 न विरु खित नडल घष्ठा उला हाहा ना विनि विनि विनि नय ननना
 गुही नयना ॥ कलति कया लयिली वलू दल नल सिलमाला २

कलतिख लीगवलमकूटकम् ॥ ५२ ॥ सिलससिंधूलनयनकर्ज
लरुलजावाश्कमुलीकर्युनरुलयितवाला ॥ ५३ ॥ भवन्निमून
तवजवन्दिनचनरुल्यनमामिरुवृवसरुजानन्द ॥ ५४ ॥ वाग
मधुमन ॥ विचकलनविभानिमलमा ॥ सरुजानन्दमूनूतिध
वाश्वजवावाहिआलिंगनसम्भननानावस्मीमहाआला ॥ ५५ ॥
गनादूँदूँदूँगनादूँदूँदूँगनाचिकारागनादूँदूँदूँ ॥ नीलावर्णचरु
चवक्रयतिमुखविभनयनमानन्दमूनूतिधवाश्विम्भवजजुह
चन्द्रजनामकूटधनाहाउआरुलनरु ॥ ५६ ॥ वज्रघट

गऊ चर्म दम नू ख ली ग ध न वि न मान न्द मू नू ति ध ना २ क न नि क
 या न य न स या स ध ना णि मूल व दू मि न न्ध ना ॥ ५ ॥ गि दि ग वि
 दि ग का का स्या दि ग ऊ म दा यि या न स रु जा न न्द मू नू ति ध ना २ न
 मा मि २ धी च क स म्ब न स त यु नू च ल ण जा ना धि ना ॥ ६ ॥ या न
 न नू च वि ॥ ७ ॥ आ दू रु ट जू नू खा हा म नू वि (ग व उ ची नू ल २ यू ज)
 यू जि न यू दू (ग व उ ची नू ल २ यू ज) वि (ग व उ ची नू ल २ यू ज)
 जू नि व नि यू ऊ डे ल द द द्या ट य द्या ट य वि द्यू ह न न य क मि या
 न स य ३ सा नि न य ३ ह न जू व व नि ना ॥ स व य दू ना दू स रु ग य

[illegible]

2195

ना ॥ ॥ स न गु वृ च ल (ह) सि ली ग न ध नी या २ श्री व ज ऊ मि च
 ल न्य स न ना ॥ ५ ॥ ना ग र न वि ॥ य वि ग नु रु ग व न म हा भा द्र य
 व व ल द स यि नू ल व वा धि य दं २ ऊ ना म न न रु य व न्ध न भा च य
 य न मा मृ त म य य न भा गु न ॥ ६ ॥ उ हि व त्स म हा या न था ल म वा
 धि चि त्ता मृ त या न यै न भ २ द स यि ष्ट रु म (ग) च ल रु द्र न थ ना
 नू ल व वा धि य दं ॥ स र्व न थ ग न यू ऊ न या मि घा न या मि या य न
 नू २ य र्थ या स दि खि त य त्रि व लू के म ल कू लि स य लि रु म ल ॥
 ॥ ७ ॥ कू सु म उ द क म कू टा स नि क म ला जि न कू ल या स म या

चार्थयर्दं मन्त्राज न दयन अल दयै द भव न गतिय द कामल
 ॥ १ ॥ नमामि २ श्री चक्र सम्व न गु नु वा क्क द ध ध त्रिया र स न गु
 नु च न व सि श्री ग द ध त्रिया ज नु र्क न सिद्धि भा द य दाय नि ॥ २ ॥
 न गति ल स ॥ उ दि ना न ल यि या य व न दू ना र व न द सू दाम यः
 कै का न स ल ना ॥ ३ ॥ धाल दू ल रु य नी सा क ह त्रि ना र जू र व
 य नि ली ज न मा र व कृ ना ॥ दि न क ल म लु न म धे र्वे का ल ग ना र क
 नु ना मृ त ल सै स्य क कृ ना ॥ ४ ॥ द ग्म जू लि रु य य ति नि रु न्का
 २ द वा सू ल न न सिल न मि ता ॥ ५ ॥ ग भ व न्क या व न य ति यु न्क रु

गगा २ श्रीवज्रवावादीगुरुसिभनमिना ॥ ५॥ नागजुनवी ॥ विः
 विरुम्विरु नूनलमामालुनियुक्तुदन्य २४ वनलजसूलगनरुव
 नरुगुद नून ॥ ५॥ नाचननमामिध्रीसम्वलविला ॥ वज्रजगति
 लनिक्रममहामुद्रागालावज्रवावादीजालिगनकै ॥ ५२ ॥ च्छुति
 सम्विलविलेश्वनसमलसमसुख श्रीगाला ॥ ५॥ गमकुदहनविः
 म्वमलशुरुकन २ के नूनलुनायनसमलसमसुख श्रीगाला ॥ ५॥
 हादसुरुजधनिचालिचोवदन २ नीलसीहालूनगगनसरु
 कलून ॥ ५॥ नागजुहृती ॥ हाणरुननकिया नसम्वनधनयि

कवाजिल रुसा २ गु द्रु था न नम यिलियस गभन मकूट क भदिः
 गला ॥ ४ ॥ न नभा नु स म्भ न नाया सम न स सु न्द नीभा नु कोना २
 रुम विनादि नीवज वा नाही रु दाम हि या न सा ना ॥ सा नि रुय न व
 ल स सु रु मय न कयू न रु न यि न भ्वा ना २ ग ग न नि ना व लु वन्धि
 न ऊ ना भ नु म लु ल रु वली ना ॥ ५ ॥ गिय ध नु ख रु वु ज क्का दि (ग
 न स म्भ न य यि स यि गू न्य रु दाला २ रुम विनादि न वज वा नाही
 ३ द्वा वि नु द यि जू न्वा ना ॥ ६ ॥ ग व नि ली ला वज ऊ गि नी या
 मू न स त गु नू च न न जू ना (ध २ स म या न द रु लि (ग ल म लु न स

ॐ म्व न वज वा नाही ॥ ५ ॥ नागमालव ॥ निज रु व जू व धू रु व व ना
या २ श्री रु न ग म न या गि नि यौ य यि स ॥ ६ ॥ ज्ञान न्दा दि द वा च्छ
७ लि ज्ञान न्दा दि द २ ॥ ना च यि रु व व म न सा सै यू रु ॥ यू क् सि न नः
दि रु व नि रु कू न रु व २ ग व नी जू न का यि व यि स न्ना क ॥ ७ ॥
ग्रा ॐ ठि या न ॥ काल यि च न्दा लि २ गी र जू न्य का कि न नि वा जू न
॥ ८ ॥ ज्ञानि कालि दू यि ताल ध न न २ की द नि कम ल कू लि स वा
ऊ न ॥ ९ ॥ य यि स यि ॐ म्बि जू द य स ऊ ग २ च व या गि नी मी ग
ल गी र ॥ १० ॥ य स्म नी धा नी चो नी व ता नि २ ल य न च वू स म रु वू

ववाला॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥ यमुदिगादिदगुरुमिसून्दनिः
 सनमनूमलसंस्क्रितलयनाश्वादेगुरुऊर्ध्वनिचात्रिचउव
 दनवज्जवानाहोक् (ॐ) जालिगना॥ दूं दूं दूं शदहदिह रुन (ॐ)
 मानभयनर्मवाधियात्र शद न्यालिगनजुदयसंकावनाचरि
 दान्यसम्भननाय॥ कूलिसगद्य (ॐ) गऊचर्मोति गूलाककिंदम
 नूगुरु (ॐ) हरिनाश्मेष्टयुनीगकयालखत्वी (गाया) गूयनशुव
 द्मसिन्यन्धना॥ ॐ यश्चि नवलमकूटजालीकनयमूडाज्जः
 रुनहाहृषिताश्जालिकालिदूयिज्जानीधचाययिवाद्यचर्मः

निवासन कृष्ण नृ॥ न न सि न मा ना आ ल भ्वा श्री स म्भ न दि
वा च कृ णि नी के नू न हि या २ ऊ यै ल म ऊ ल म रु मा य स (६) ग भ व ६
निय न मा दि व ऊ गी ता ॥ वा न ऊ नि ॥ गि नि ला
य न च रु च व कृ वि हा ना २ न वि ग नि चा यि या न व यि ध न
॥ काम क रे या काम न दि सी मा ना २ ना ग अ ष भा रु न व न्धि न क्का
दिया ॥ वाम द हि न क न गृ वा न या वि २ ऊ न यि व जा न न आ रु
नि दिया न ॥ यु ला द्य ष उ या यि न व जा २ व ऊ य व न द्य न चि
य सी ला (ग) ॥ क र्णु वा न न्क नू रु न्क न स म य २ क न दू पु निः

कामधुन काम॥ १००॥ कामधुन काम॥ कल्यादि वस्त्रिनी जूदरय
 मिलमूलि सोधि कालिगन गिनिनु वनी शरवह्यलम्बा धन जीलि
 गहुँ काल जूधुना गज्जाल लेनी कृष्ण वलना॥ १०१॥ असुन रुय
 ह लेना सुल दूधुनी दव माल वनमर्थनी याय ह नना शिविवि
 धिलियूरवधुनी विद्युवि (धामन) न्यादिसदसदि गणाम कल
 नी॥ दहिने कल रि धलय श्रुद रि निला चनी चलन दायमथन
 सुमृनि गमनी श्वामखेली गधल वक्र कयाल रुयै वसमूदः
 सा गलमनुयानी॥ १०२॥ धाल कूदल विल जूधुना सनी विन्दुव

लमथने कला न वदने २ व्याद्यु चर्मनि धस न नल नूद्य मां ला
जुलिव निखा दनी लिष्टि रु लनी ॥ गम वन्नि सु ल ग वज गु लू न गो
धन व धरा वना सन सा नय न नू २ व ध धर्म सा सन सं दय य लिन
खर्क श्रीम हं काल ग वया २ सना ॥ ॐ नमो भगवते ॥ कोला ॐ
प्रथिया धोले म्मू नं के कोला २ द्यन के यो ० रु वे ऊं ॐ क नू (६)
कियो ॐ ने ला ना ॥ ॐ ॥ मल्ल ये ऊं कू न्द ले ठिं ठी मां न हि ना द वेः
ऊं ॐ ॥ न हि रु नू या ऊं गं धं मय ना वि वे ॐ आ ॐ ॥ हा लि को लि
ऊ नय वे नं दू नू नू वे ऊं ॐ आ ॐ ॥ ॐ ॥ च उ से मे क मु नि सि द्धा क

यूलो ॐ आ ॐ गौमनय ॐ न्वनसा लिंकेल नंदि रु चूं वाङ् अं ॐ
 ॥ ॐ ॥ य दे ए रे व न ल के ली नं सु धा सं दु मु न ॐ आ ॐ ॥ नीला भू हे
 जं ग च न्द्रा व ॐ न दि ऊ से आ या नं आ ॐ ॥ ॐ ॥ न न न न न न ॥ ऊ र्य
 ऊ य वा च्छु लि स य ल स न्द लि ना अ य य दू ष स हा व न्क ॥ गु ष्म गु म न
 न्क क लू ष वि ना सि ल रा ष दू ना स र्व ना मि ल ॥ ॐ ॥ लू न षू न अ
 दान दू काल स जा न नि ल वा लू न ॥ जि म ऊ ल या नि ल दे हा यू ली न्क
 जि न ऊ न नि नि ल व ऊ या गि नी ॥ ऊ र्य ऊ र्य हा ल आ रु ल न गु ष्म क
 ल नि क या ल वा ल धा नू ल ॥ धीं स ॐ दू अ नि ल अ न ल अ षू म हा रु

यनिनवा लूल॥ ३३ ॥ ऊयं ऊयं लूडसमम्भन्यपि था यिषिगीव
 लूडनलसिलमा ना॥ विनियम वलाकी गऊ गगन कनूयना धनि
 ल॥ ३४ ॥ ऊयं ऊयं नायडूऊ गगन सीसाल यनमामि अदय वाक्कु
 लि॥ विरुवनरुद्रयकुद विनानालय कासी ना॥ ३५ ॥ नाग कद
 ॥ ३६ ॥ अवनिनिहि त वामजानू न सव्य रवर्ग कि वल्लभ मानस कुसा
 २ नाग डूवमा रु वन्धि नया म विरुवन नाय अचल विना॥ ३७ ॥
 नमामि श्रीचलुमहा भवन जात मृत्पूनि क्वदि ना २ विश्वनाथ
 विश्ववायित विन विरुमहा काध नाया जात मृत्पूनि क्वदि ना॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

अति शीघ्रं उग्रं प्रचन्द्रादृष्टं कत्राया विंशं तकि नक्षत्रं यीति तज्ज
धना क के न नय एवै निसुक्ता सा नारव दू स नक्षत्रं । ३२ । माधवमा
यायु नन्द नव द्वा नूड यि न्ना चाया द रु न ना २ सम न समाया नाग
विभा हा हान नाय सभा हि न द हा ॥ ३३ ॥ नन्ना रु नक्षत्रं य हा लि त मी
लि के यु न नू यु न म न म न का ना २ सू न न न ना ग व न्दि न च न (ए ना
य सू न न्ध न अ चल वी ना ॥ ३४ ॥ नाग क मा द ॥ अ व नि हि न जान
नि न सम द हा २ क क न वि न य न शी घ म व द ना ॥ ३५ ॥ न ना दू दू
दू न ना दू दू दू दू जा न अ चल को ध ना या ॥ नि वि धि घ न दू गि ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥

२३३३३३

२३३३३३

वीकानरुषितदहा २ हाननूयूननिधाषवसुधना॥ ६॥ नाग
ललित॥ अलय ३ न श्रीम ३३ कुमावा २ ३ ३ ३ धनकिवनसीकीः
३ नदहा॥ ६॥ ६॥ दव श्रीम ३३ धाषयिगुवन व्यायिता २ नीकुरव
गीधनदहिनकनधाली॥ वामयुक्तकधनसुनगुनूनायाश्यम
गासनकीसनदहा॥ ६॥ ६॥ दहिनवामकनधन ३ नधानि २ च
उवमानदय्यतवानयहान॥ ६॥ ६॥ उगतम्यालनाथयुमूदिः
गददया २ अहिमनसुखरुलवलपुदागा॥ ६॥ ६॥ नागविरा
स॥ वामखयलधलदहिनकलति २ यायलनउलबून्दमानाउ

२ ति द से क म

विलहलहलनाच०० न क उ न तिय व ज आ गिनी ॥ ५२ ॥ विनिह
गुदह वि विरु व न य ०० सह हलनाचं यी न क उ तिय व ज या गि
नी ॥ ५२ ॥ कालमिरु दू यी या स्य ल व न्धी या २ ना ग (ध व भा ह न क
न गि न क्क दि ल हलनाच यि न क उ न तिय व ज आ गिनी ॥
५२ ॥ थूल सु झ द वा नि ल उ न द वि २ सु न्य या गु द वि सु न स म्मा व
हलनाच०० न क उ न तिय व ज आ गिनी ॥ ५२ ॥ श्री सि स हानु
न द वी क ल न द ह वी २ मुख मार्ग द विरु द्वा सि वा स रु व ह ह न
नाच०० न क उ न तिय व ज आ गिनी ॥ ५२ ॥ ना ग रा स ॥ वि द ल क

२ ति द न के म लः उ द य ति स धू क र सु सु वा यः स ना हा ना द विः वि रु व न न्नीः गु र व वा यि
नाः श्र रा हा य सु दा ज श्र लीः नू द य ह न स ॥ ५३ ॥ वि न रु द्वा क न स र्क द म् मि नः प र म
ग न स म्म न श्र रा हा ति रु व न स मि ॥ ५४ ॥ ग र म्म क रं श्र रं म्म ग ल रु वे म्म ॥ ५५ ॥ श्र र

निर्वञ्जनआगिनिर्मला २ जूरिमंथसूखरुचदांयनिजलमज
 लमरुश्रयाथामलना॥ ५॥ वागधनासिवासवाक्रान्तामहा
 सुषलिनाचउज्जानन्दसूत्रयिनिश्रितुवनरुचयिमहासूष
 लिनाचदसूर्यदयिम्यलिया॥ ६॥ नयायलिनानयून्यलिना
 गिरुवनयकसूत्रयिनिश्रितुवनरुचयिमहासूष
 रुचलानवलदायनी॥ जमितारुमलुलआदियाग्रयिनि
 ल्याननमिवलुयिनि २ कलतिखयलखलीगधानियुल्लाल
 नवलदायनि॥ ७॥ गिगीम्वलमकूटकसाचकिक्कन्दलकैः

धि धालि २ मय बल मन्दि गला चक्र स्वरा ग्री वल लू नु वन ल सिलः
 माला ॥ ५२ ॥ सर्वे तथ ग रज न नि दे वी वि न हि रं रा व जू रा वा
 २ श्री वज्र आ गि नि सिली ग र ध लिय आ ग व नी स म ल स व जा ॥
 ॥ ना ग माल व ॥ वज्रि धा नी चो नी व ना नि २ सिंघा नी वा धि नी ऊ म
 क उ ला कि नी ॥ ५३ ॥ न मा मि हि श्री आ ग म न्न न र्ज्ञान श्व नी या २ गि
 नी न्य नु द वि गिरु व न य यि सा ॥ यू व्व उ र्छ न य म्बु म द दि ल दि ग
 द त्रि २ ग कि नी दि यि नी च उ सि र्क वा जि नी ॥ ५४ ॥ च गु न दि ग रु
 न्य रु ल नु द वी २ गि नि न नु द वी ना च न्नि द वी ॥ ५५ ॥ रु नि रु न

वक्त्रा ह्युद्य जसूनमाया २ वाद १५ वीसमनसम्हाय ॥ ५॥ नाग
 नाग ॥ नाग उक्ति ॥ चात्री चल ह चाय यि च उ माला २ आ थ वय नय
 निमूरव विनय ना ॥ ५॥ नाच यि रु नू वने नात्मा देवी स हि ना ॥ अ
 सूथा गिनी गन दू ने दू ल मा गु ॥ कू कू व न द वा उ १ रु उ रु ल न्य
 २ वाद्य चल म धन यि ग ल क १ ॥ ५॥ चकी कू ल क ठ नू च क
 म स ला २ विरू नि विरू व न १ नी आ ने दू ता ॥ ५॥ ग्र ध यी ल मः
 ल स स रु उ आ न द्रि ना शि रु व न स च ना चल यै न क मू नू नि ॥
 ॥ ५॥ ना ग टाल मा ० ॥ ना हि म हू ल मा ५ उ त रु वि ना २ सू सू मः

न सहज सुखान गता ॥ ५१ ॥ देवीविभुमसि तउद्ध गता २ ग ग द
 साखलमाभिलि न ग तादि दिन क न ति न या ग धात्री २ वामखल्ली
 ग ध उ धात्री ॥ ५२ ॥ स य का ल मूरवमालसी ग सिता २ न न सिल
 माल विनीविना ॥ ५३ ॥ रु न यि सु न व ज दू र्ग ती री ता २ उ लः
 म उ ल म गु रू स ल न ग ता ॥ ५४ ॥ नो ग रु न वि ॥ ग उ ह उ हि न उ द
 क हा ॥ थ ध निया के म ल कू त्रि स जं ग वा न २ उ म नू क ल लि कू
 ता ग म ल वि भू ना वामखल्ली ग क या न ध ना ॥ ५५ ॥ ग्रा स म्ब ना या
 वा च्छ त्रि गु ष्ण जी गु वि ना २ मा न ली ल चा यि या भ मा य सह ज स्वः

२
का
वि
से
न

रु व भाम नि ना ॥ या सह व न भा द क द्वा द सी हा ॥ थ ध लिया कम
ल कु नि स र्जु कु वा ना २ नि न रु नि नो हि न क न काम य च उ मूर व
जु नि वि का ॥ ५ ॥ ज्वा लि ध या या रु न व वा य यि या न का लि ना ॥
वि वि म्भ मू डा २ वि श्व कु लि स ज्जु च न्द्र उं टा रु न व्या द्रु च र्म व न मू
डा ॥ ५ ॥ च्छु नि स म्भी न वी न श्व न ना य क रि नी च कु म हा वि न वि ॥
ना २ क नू न ग्ग म न वी न वी न श्व न रु ज्जु यि स य न सी सा न ध ना ॥
॥ ५ ॥ ना ग वि ला स ॥ ना न उ नि ॥ दा वि स न व न वि ना स यि क यि ॥
सा २ उ थ रु ना दा म धु ल ना रु रु रु ल ना च रु यि रु रु क रु ग ॥

निर्वसीयाल्य॥ ५२ ॥ जूमियज्मृयानि नञ् नदस्य २ सहजसू
न्दवियाजिनउल्लवाल॥ ५३ ॥ उचउआगिनीहिनिमिलिमिनि
या २ वज्जवाहादिज्जालिगनकाकैल॥ ५४ ॥ उधरुनादाकनून
कवात्रि २ ऊयज्जालिगननिनावर्लुचाल॥ ५५ ॥ सर्वनाथाथैग
नासाने सर्वनाथागनालयै सर्वधर्मगनेनाई दममहुनभा
रुमी॥ १ ॥ सान्धर्मगसेरुनेहानचक्राविश्वधिनैसमनुरुः
द्वेगा(गं)दसमहुलभातेमी॥ २ ॥ सर्वनदनसैयूहुसर्वनिके
नवजिनैसमनुरुडकाया(यं)रुखमहुलभातेमी॥ ३ ॥ सर्वस

त्वमहाचिन्मसुदुयकितिनिर्मलेसमन्त रुद वाचा (ग्रंथावमधु
 लमाहमे ॥ ४ ॥ नाग रे न वि॥ ना न ऊ गि॥ जू दू दू न यालदिगः
 विदिगदिगरुवन्य २ ध्वंसि न मान चरु न घन ॥ गगल (गुवन ग
 गलपू न २ काल गगन दम नू दू वाजिया ना ॥ ५ ॥ दू दू न माः
 मिय २ दा क दा कि नी य २ य वे नि स्नान दा कि नी स न दाय (गय
 ग ना ॥ यू व उ ल न य छि म द दि न चरु न रु व न वि द न ख छि या
 ना ॥ व ऊ णा कि नी घा न व ना न णा कि नी च छु न णा कि नि चरु न दः
 वी ॥ ६ ॥ सिं छि नी व्या धि नी ऊ मू क उ नू कि नी ख ली ग क या न नू

३ विद न मान ३

कृष्णदत्तहस्ता॥ दाकिनीदियिनीचउसिकम्भाजिनीधालनम्वादः
 लसीकाभवदना॥ ५२ ॥ जि नऊननिदविदाकिनीगुडयायसनः
 नायश्चमूडाआरुलनरूषीयात्र॥ खवर्गहृगकलवजघटखल्ली
 गयाभयनमामिदवीश्रीहानदवी॥ ५३ ॥ नागगावेनि॥ नालूः
 नायमाथ॥ नम्वाकलनम्वादुगिनयनश्चकल्लसारुकनसिन्धूल
 रुषिता॥ ५४ ॥ गनानाउद्याद्येननायूलहाथयनशुधना॥ गजमू
 खज्जुदसूगुक्षानिकयाजमृनिगमृनिभाहृनिज्राकषनिश्ज्रा
 दिमक्षानकल्यानसिद्धिकन॥ ५५ ॥ स्वर्गमध्यानात्रिगुवनश्च

गणयगियूजिलसर्वकार्कसीदि॥ ५॥ त्रिद्विसिद्धिस्वरुवसैयूह
 अयविग (६) श्वगिगुवनवायिता॥ ५॥ वागकनविवायकनथाः
 गगऊनमलीयालसमयाचालीवयिथनाल२दहदिसदसवन
 ज्ञानधियालसमयानन्दरुननिहा॥ ५॥ विनवीनश्वनवेथना
 लमछुलसमूहाविश्वरुनिया२३कूकानवलिदानदयादानय
 गियाविद्यानिनवानुल॥ पूर्ववैशाचनदक्षिननत्तसम्वज्जमि
 नारुयज्जिमव्यायिता२३कूकानवलिदानदयादानय
 नन्दरुननिहा॥ ५॥ समाधिध्रीसन्धनमाजकानचक्रहवजका

ॐ
ॐ
ॐ

यविश्वरुलिया २था गथा गिनी वृन्द जन दास मयानन्द रुलनि
हा ॥ ५२ ॥ सिंहा नाद वाजिया नद मन्त्र यन्त्राय जूयथा गिन्म नदा
यन न २जा नन्धनियूना जूवध्वनयिया न कर्तुया च न दारुन
नाहा ॥ ५३ ॥ वा गरु न वि ॥ ना न दूज मान ॥ नेमा मि २ कि न धारु क
लन्द कचरु न मन्त्रि जालि गिता २य ३ स्नान य ३ धारु मन्त्रया
वृद्ध धर्म जालयन ग्य ना ॥ ५४ ॥ ग ना दू दू दू ज ग न सै गाल मी धनि
याम ना ह न म म्मु २य ३ कि न रु ग्य ना ॥ नेमा मि २ श्री गान्धियूल
ग्यल सुद्धि सिद्धि वल दायनि ॥ दू नि न रु ल न सर्व या य दू ली दान य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

क्वादसिकयू न त भ्वा ना ॥ ५१ ॥ सू न त वज रु न ग्ग व नि व स न्नु रु न
 व रु नू व क न दू व स न्नु ॥ ५२ ॥ नो ग रु न वि ॥ ना न न क न नि ॥ रु स
 ल ख ग मू ख व ज चि रे न ध भ्मा द या य नि मि त न २ कू टा ग्ग न म ॥
 ना रु न म धु ल व ज धा नु हिय क म ल व न ॥ ५३ ॥ द ध रु व नु न द
 द य क म न हिया च क ल २ प ह्मि सि ह्मि व न वि षु वि ना स न ह्मि य म
 रु मू डा सि ह्मि ल ॥ आ दि वू डु हिय ग्ग ग्ग ध न म धु न वि ना स यि व
 ठा न च क २ नी ना व धु सू न जि न ग्ग्री म र म न्ना ना य य नि म र्थ न ॥ ५४
 ॥ य सा दि न द रु दि रु ल ग्मि वू डु न ग्ग रु न रु ग र उ ड्डा न २ स य ल

वृद्धं तिन च कृ क न नाया निज रु व हि य य नि रु वा न ॥ ५१ ॥ गुरु
 उ य दं म यि सि द्वि यू ग ल मा कू ल लि वि रं ग ल श स त ग न च न व
 सि न्य ग न ध त्रि या रु न यि सू न न व ज त त्व ल ॥ ५२ ॥ मा ग ग्य द गि
 नी ॥ च की कू ल क लि ना च क म्य ष न रु वि त गि त्रि व नू ल न
 न सि न मा ना र स न श्रु क च की ले या रु स्म उ धू नि ग ग न नी व
 न्धू नी यो नो ॥ ५३ ॥ य रु स रि व रु नू व द रु मा नू का ना र ग ना थ ग्री स
 म्ब ल ना य ॥ व ज क भा ग क रु (थ ध त्रि या क (६ कि या दू र व त्वी (ग
 र् स यू ग या गि नी क म ल वि रु सि (ग न म हा सू ष म ली य रुं (ग ॥ ५४

॥ वज्रवावाही जाली गनसम्भवननाचयि वद्रुविहरे (ग २ वा च्छुत्रि
का नायिकी दन्ति रुद्र वज्रधर वरु लनस्वच्छ (ग ॥ ५ ॥ सरुउसी
वृत्ति लेया गावन्ति कर्षुया रुद्र वचलनयुसाद २ युस्त्रा जाली ग
न रुद्र वनिला वधु विलासयि शुन्य क नूना ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥

२१२ वाचुलिका लयि किर्दु रु व अ द रु व रु न न रु सी ॥ ५ ॥ सहज
सगिलया गभवी न क न न या रु रु व च न न यु सा द गृ य ह्ना लिंग न रु रु
वा नि ना न नि वि ला य यि शु न के रु न ॥ ० ॥ ना ग का भा द दि ॥ च म्मी श्म
य ल दा दि च न्दा लि २ रु ध्व ज्मा व सि धि न थ न सै म् रु व न ॥ ५ ॥ ज यि य
रु रु वा ज वे क वा दि २ व न उ न च्छा ठि ल लि ला व न वा लि ॥ ५ ॥ य च्छ
त थु ग ग क (६) दा ह्नु दि २ स व स ख उ ध नि ल मि भ च क्री मू दा ॥ ५ ॥
मा रु ग्री रु रु व रु रु व रु ना भा य नि श्च ह्ना या य उ दा लि न रु ग र्के व
रु के ॥ ५ ॥ ह्नु य को न आ च्छ त्वा रु रु व स ह सै रु व २ रु न वि ह्ना सी मि नि

अरुवनाराव्या॥०॥ **नागरेनवि॥** गभजतिनउद्धा(थं धन्रियाकः
मलकुलिगत्रकुवाला२दमन् कनतिङ्कनालगिभूलावद्भरवत्य
ककयान् **॥॥॥** धानिसर्वभाववाचुलितुमजमूनात्रिभ२मानयि
प्रचायियायिमायासहगुरुवरुद्भलिना **॥॥॥** यासवद्भामूडाद्वा
दगहा(थ धन्रियावूनननिनमाला२निनाहितलाहितकनकय
यिचवमूखजगिविकलान् **॥॥॥** जालिधयथारुनचाययिभका
निनागिदीयडा२विस्वकुलिसञ्जद्वचन्यजगाशनवाद्यचनमषन
मूडा **॥॥॥** कृतिसवित्रीविभग्यननयकतिनिचक्रमहाविना२क

नृनष्टिद्यानविनीविप्रश्वनिरुजयिसयलसीसान् ॥ ० ॥ **नागरेनवि**
॥ चामकयनधनदाहिनकनगिश्यायीनहाउननृदगमलारुविग ॥
॥ **नाचयि** नृकजगिर्यवजआगिनितिनिनगुधविगिरुवनय
यिसयि ॥ **काल** मृगुदयियास्यप्रवधिल्यश्नागधरवभादाक
नगिनच्छुदिल ॥ **धूल** गुरवमाहनीनाजनदविश्नुनयागुदवि
गुनसीहाव ॥ **मि** सिसेहाननकाकूनदविश्भारवमागगुदः
स्यद्वयिजययिसा ॥ ० ॥ **नाम** **गुरु** **जि** **हृदा** रुननकियानीसीवन
धनायत्यवजकयालश्नुद्वउदहमत्रियामूखानमकृरकगदि

गंवना ॥ १५ ॥ न प्रभा न सम्वनयाया ममनसद विभा न कला श्रव
चिना जि न वज्र वा ना हि रु लमयी विनसा ना ॥ १६ ॥ सा नि रुय न वन
सू नमय प्र कं थाल रुयी न न्वा ना श गगन मि न वा न न व न्नि वृ ञाः
ऊ म्य न म लु ल रु व नि ना ॥ १७ ॥ गिय ध नू ष त्वा क उ च्छु णी नि व य व
स म्व न य यी सू व त्त रु गा ना श्रु म वि ना जि न व ज्र वा ना हि रु म नू द
षी मी जू धा न ॥ १८ ॥ ग व नि ली ला व ज्र या यिया न म ट गु न च न न
आ ना ॥ १९ ॥ स म या न न्द रु लि (ग ल म लु ल स म्व न स व ज्र वा ना हि ॥ ० ॥
॥ वा ग रु न दि ॥ य यि स रु रु ग व न मा हा मू द्र यू दा द म यि नू ग न व

धियर्दं १७ नाम न रुय व धन भा च यी य न मा मृ न मय य न गु न
॥ ५॥ सर्वे न था ग न यू ७ निय द्या न यी ना मि न या य न नू २ यु रु या स
दि स्वी ग ट य नि च न न कम ल कु लि ध नि रुा व न ॥ ६॥ कृ शु म उ द
क म कु ना स नि कम ना जि न वू ल स्म या चा झ य दं २ म न्ना उ न ड यः
स द कृ य न द म व ल म नि य द रुा शु न न मा मि ॥ ७॥ ग्रा च क स म्भ न
गु न्दा क दं द ध नि या २ म ग गु न् च न न मी न ग न ध नि या रु नः
रू वा क व ज स ख न ॥ ८॥ न हि मा हा व क्क या न न यू न म्म वा द्वि चि न्
म न म द या य न नै य २ सर्वे न था नै गै यू ७ ना य ॥ ९॥ म ल लि न ॥ यः

ॐ न धा ग ग मिलिया ल्य सम च निरु वलि ध रु ला ह्या २ द स दि भ द स
वलि आ ना धी या ल सम या न न्द रु न ति हा ४ यि ॥ पु ॥ वि ने वी न मानः
वे ध ला न म ला द वि भु हा त्रि या २ न दू का ना व नि आ ना दा न द वि दा
न फ या वि द न नि न वा क न ॥ पु ॥ पूर्व वे आ च न द रि व न त्त सी म् रु वा
य क्ति म जू मि ना रु वि या यि ना २ उ रु न जू भा द्य गि रि मा भ जू द रु स
म या न न्द रु न ति हा यि ॥ पु ॥ समा हि ग्री स म् च न मा भ का ल च क रु व ज
का य वि रु य २ आ ग दा षी णी म्य लि वा जि ल द म न य भ द ॥ पु ॥ जू ह
या गी नि म्य रु दा न यू न २ आ ल ध नि ता जू व ध व न यि या क लु या च न

त नै निहायि ॥ ० ॥ नागरास ॥ गि गूल दमलवन द्रुय स न सा श्व धूक
न रु न वलिना २ प्रावि नू या द्द ख ग मूष द वि म्य द रु माल या व्या रु
हानि ॥ ५ ॥ न मा मि ने वा न्क म्या गि रु व न मा ता वा च्छु ला द वि म न रु ली
२ स क ल सू ना सू न व न्धि ग च न न जू न्य ग नि वि मि ष्टि व न य द ॥ ५ ॥
न न्द ष व न्नी वे च न्द न ग हू न्ध जू न ग द्द गु म या नि जा ग व न २
नि च त्प गी ग्ग स म वा ग म ति षे जू न य नि र्थ गु द्द ग व न ॥ ५ ॥ वि स्वः
वि या यि त दा न्द न द वी जू खं य नि वा न्क य आ रि म यि २ जू स्र य
रु रु य दू नि स्त नि न वा न नि जू न ग वि द्ध न नि न वा न नि ॥ ५ ॥ जू म घ

सुखेन वञ्च्यमाना गिनीम (धञ्चन्य गदवा शुच द्वायान २ अलिमं न
 गुषरु लदाय न धनिज अजमरु अयाय सन ६ ॥ ० ॥ **नावमधूमध** ॥
 प्रिचकन विसमिमलमापयिनि आन छुमू नू निधना २ वजावा
 नाहि आनिंगन सीवन नाना वसमिमहा आना ॥ ५ ॥ गीत नाई रं
 नाई दू दू न ना न न दू ॥ **५** ॥ निन वल्ल चतुर्क वेयुनि मूरवनि न गुन
 यनमान छुमू नू निधना २ विस्व वजा अ ध च न्य ऊ ना वा दू न धन हा दारु
 नन तु स्वरि गा ॥ **५** ॥ वजा घ ६ गज चर्म दम नू रवत्ता क धन विनमान छु
 मू नू निधना २ कनगि कया नयन शुयास धन गि मूल वद्व निन धना ॥

॥५॥ दिगविदिं कां का स्यादि गजमुदादिया लसजानन्द कल्यान वना
२ नमा २ श्रीचक्रसंवनसतगुन चवनन आनाधियाला ॥५॥ नागवसः
न ॥ चन्द्रादि नग २ नै (ग २ अदाय चिय कूना गन ॥५॥ नाचयि सै
ववनना न श्वन वज वा नाहि आलि गन ॥५॥ चतु नान दुही नै न न २ वि
चिनु विया व विना जित न स्य ॥५॥ अनुरु नै उम नु गि न २ क न ना सि
द्या न विना जित न स्य ॥५॥ अला काल ला का ५ रा स २ आला लि क न दि
य न रा स ॥ ० ॥ ना ग द ग्ग म वा सा स्व न वज विना जित सा लिन म मू क वः
मि २ वाम रव त्व क क याल धनिया हा ५ क न ति धनिया ॥५॥ आयी या हा स

दूषसहजानन्द २ कननसहावगुणुलिनानमदू कसहजादवि॥
॥ निजयगुमधुदहधनधनियवूननसिनमाला २ निनिधगुगुमरुन
न्यकीयनगुवठवी १ कून्यक ॥ सत्वविस्यखनकवधकवगलाः
यनकाध १ रुखवीसूवदवानलकातिविशहियदवी ॥ चानि
मीजववाधियनचगुकाविहानि २ सगगुन्याययसादभगभवतियन
माधिवज ॥ ० ॥ नागवसन् निरुजावाययिआगिनिदञ्कमलि २ कमन
द्विसघनकनद्वियालि ॥ आगिणीगुकाविनूरवनदूनजिवयि
गाभमूहचूवि १ गगलनसयिवयि ॥ खयदूआगिणीलयनजायि २

मनि कल वरि यदा यिया नसना हि ॥ ५२ ॥ साधु नाया प्रद्विदाल २
चन्द्र गुर्ज धनिय कादाल ॥ ५३ ॥ रुनयि गुद निवूदू न विनास २ वनय
नात्रिमाभा उरुय विना ॥ ० ॥ नाग ॥ हवन निवमद्व न कि न विमनि रुसि
न चवनन जाग ॥ ५४ ॥ साहिया वडा सत्व यन म्यसा न चवनन जाग ॥ ५५ ॥ ग
सनि वरु यियि थि के थू ग न गन व जाग ॥ ५६ ॥ चानि तु रु न चानि
रु ग न य दू म जाग ॥ ५७ ॥ विरु वन जालि न मू न वि नू नाय न वन व
न ॥ ५८ ॥ नस मि सी हा सन्ति रवत न स ग्य गि हा स व न ॥ ५९ ॥ वद्वि रु हा स
नि स ह नू नाय स ता व न ॥ ० ॥ वा ग न म स्का न ॥ धू मा ग ३ नि चन्द्र क न

लिश्चिषनयीगलकसतिनिचयन॥**ध्रु**॥ तुजयीयाहादहासहजनउ
तिश्चुनानाविन्वमहावलियूजा॥**ध्रु**॥ समयनदुआगावनदवश्च
मुनिश्चवल्लुहवयन॥**ध्रु**॥ गीतकलेकच्छुगावनिसाहियश्यस्तीकन
कसमद्वलवयन॥**ध्रु**॥ भाउमहायीतवनगायनश्मच्छमान्समदन्धि
नज्जहावन॥०॥**नागविहास**॥ धनधनदुधनधानधनश्चानयधान
यचक्रिगीत॥**ध्रु**॥ मधुनमधुनवजधृकस्मभदुदुनआगसवीनवभ॥
ध्रु॥ कून्वजधर्मसमयीश्चज्जालिककर्तुवत्यश्चकुलकुलुलिदह
धनगुसनाकनगीतकमनवभ॥**ध्रु**॥ वजगुनीज्जमनतभाश्चिधमयसम

यदा न सह। न त्वा धृ क व न व जा उ न क। ६५ कि वि कू माल ध न ॥ ६६ ॥ सा स्वः
न नि स्व रु व य न यै म २ सा स्व सह उ सू दा न म ह ॥ ६७ ॥ हि २ व ज ध क स म न का
य नि द्ध न मा च ध न ॥ ६८ ॥ ई ई प्र ह्ना ध क गू क ता २ म्य व ल मी दि न य न मी मू
ख। ई रू न ज्ञा दि न च न न व न य न मा मि गु न नि व ज नि न ॥ ६९ ॥ ॥ ना ग रू
न वि ॥ जू रू द न न या न दि ग वि दि ग रु व न ध्व मि न मा न च गु ल य न २ ग
ग स्य ख न ग ग न स न स का ना ग ग न दा म नू य न्ठ वा जि या न ॥ ७० ॥ ई ई न ग
गि य ३ रू ग नि ल्क ना दा कि नि स न न रू रू रू ग्य ता ॥ ७१ ॥ पूर्व उ न ल य छि व
द खि न च गु रु व न वि द्य न मा ना वि द्य न ख न्दि या न २ व ज दा कि नि द्या न

व्यगानगकिनिचधुलदाकिनिचगुनदवी॥**धृ॥** सिंहनिद्याद्यनिऊवूक
उलूकिनिरवत्वकयनसूजैदुभदधुहासाश्दाकिनिदियनिचवगिकथा
ऊनिधानगऊजैवीसकासवऊनि॥**धृ॥** जिनऊनविदविदाकिनिगुशयः
यसूननयश्चमूडारुवनगुखनियाश्खदगुरुकवजघष्ठवर्षकया
गायनमामिदविदौकिनिगुशैयैग्रीहानदवि॥०॥**जागमलाद॥** मूगिन
खचिरामनिमउविहानागुनविहानघनगुनाश्नजिलमयिसाहान
ऊनधरुंदानागकिनमयिनाअघनचिना॥**धृ॥** महादविनाऊभाः
रुनराश्चिदमागघनघनहिदनिडागानिवदगुख॥**धृ॥** कथक

ॐ धा का न भ मि त म्ना द हा (र्थं द ध उ य द ह्नु २) अ धि व न द धि न ल क न
 उ म नू वा जि न न अ न चि न यि द न हा वा ॥ ५२ ॥ न र ता त्रि य त्रि य त्र यः
 ग्ता दि वा ल ज य ली का २ ग्री ख द अ गु नि क मु नि क यू ना या न रु य हा ग
 वि ना सा ॥ ५३ ॥ व द्वा विष्णु म ह्नु श्व न आ दि न का ल वि वा हा अ नू सा ना २
 स ग गु नू आ ल्ता आ गि वा वै मि द व ध र्मे गु न गु न ल्ता नू सा ना ॥ ० ॥ आ ग
 नि न व ध ना म कि ॥ म नि म द्वा ग क म्ना नू द मा ल वि रु खि त ल व न न सि
 न मा ला २ दि न म न क त्रि य वा न सा हि हा (र्थं अ मि त क वा ना ॥ ५४ ॥ ग म
 वा न्नु न द वि ना नि स म्ब न नि ज घ न ना नि था २ उ न म आ रु न ग म रु नि

वालिदि वस न निवस हि द विग न नि ॥ ध्रु ॥ च वि द द ल क थि आ चः
कु म्य र व ड घ ष्ठा सा रि यो २ व घ च म क ध स्य न ल व न ड न हा र प वा ऊ
चि म्ता ॥ ध्रु ॥ लू स स म सान रु म यि न र व्वा ऊ यि स ड ऊ व दू ना २ घ स म स
न यि यू सि ग व आ घ स म सा भा व ऊ व गालि ॥ ध्रु ॥ वा ध ऊ व ना न ऊ ग
ना नि व वू ड रु व न गु द्वा रु नि या २ न नि व ऊ आ गि नी च न न नि न ना ग
ध नि या ॥ ७ ॥ वा न र ना ॥ ८ ॥ व ऊ ध क व ऊ रू का न न कालि ना नि नि
यू ना य नि न २ रु न र ज न न क्का धा न ऊ च यी य वि द्य ल स न रु न ॥ ध्रु ॥
उ घ स घा न च २ स घ दू घू न वि न य दू रु न या य रु न २ व ऊ की ल य व

२०
३०
४०
५०
६०
७०
८०
९०
१००

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, though it is significantly faded and blurry. The script appears to be a form of Sanskrit or Hindi. The page is framed by a simple border.

यमगानियुनमामिसर्वनहनयिया ॥ ० ॥ नागरुनदि ॥ राहुनरवद
 मूनहानसमि वरुनगि दूनययकुमि न २ कूति गानमह नवदलव
 ऊ धागुहिया कमलधन ॥ ५ ॥ धैद्यत रावतु न ह दय कमल गियेच
 क न २ नेधिसिधिक न विनास न रायिमहा वधि न ॥ ६ ॥ आदिवृ धी
 हयासगिह नमधुलविलास यिषतच क न २ नियवियवननीधीः
 मूनययलिभाधन ॥ ७ ॥ यसनिल्य दह दि गानसमि वृ धन गवनऊः
 गगुउ गानि न २ सयलवृ धि न ७ क क नयिया निऊ विऊ ययनि
 राव न ॥ ८ ॥ गुनूउ यद न्ध सिधियूउ च्छु नि न खनऊ गत वृ नः

१ ना गगनक्षत्र हन वि ॥

x

निरगनगुनू २ चननसी नगन धनियारु नगि वऊ गारु भा ॥ ० ॥ वि

१॥ गगनस्थः ह्येव वि॥

निश्चयं गच्छेत् २ च वनसी च गत धनियारु न नि वज नागु भा ॥ ० ॥ ॐ
 तु वनमानवि नास यि प्रतिति मवत न मु नरु वना २ ७ कुरु नियात्र
 न्य कानय ३ ७ ॥ ५ ॥ ॐ गुह्यास सवन रु गति महा सयन
 मामि ३ ७ ॥ १ ॥ ॐ स्यतीरु ऊ यि प्रि रु वन ऊ न नि व दू दू ना वूः
 नि द वि सा ॥ ५ ॥ ॐ य ३ ७ ॥ १ ॥ ॐ मूट वि रु रि व न वू द ल ना ग ३ ७ ॥
 ना २ ॥ ॐ च व मु ग ३ ७ ॥ १ ॥ ॐ म वि रु रि व न ना ग ३ ७ ॥ १ ॥ ॐ वू द
 स ३ ७ ॥ १ ॥ ॐ द स च द न्य य सि न मा न वि सा ने ने सि न व्या स ख ३ ७ ॥ १ ॥
 व ३ ७ ॥ १ ॥ ॐ न नि ३ ७ ॥ १ ॥ ॐ न नि ३ ७ ॥ १ ॥ ॐ न नि ३ ७ ॥ १ ॥ ॐ न नि ३ ७ ॥ १ ॥

मनिमंदनमभि ननभि ननाथनवनयुक्ता २ हादमाला नुखि न हाद
ननभि ननु खन ॥ ५ ॥ ६ विमात निहि ननसव नाथननन विवजीः
न २ विस्व व्यायित वा हा ऊ न नियदि रुयस व निम ॥ ७ ॥ पुनव काल
सा ॥ सादा ऊ न व ऊ मदि नस्य खन २ डा मिय कूल कथिन ल वा ऊ क प्र
॥ ८ ॥ सानू न क भ नि निनय न्य रु व दा निम नू व न २ न न म निघ हा
न भा यू न मा न स य ल यू या स न्य ॥ ९ ॥ कदिय म्य ख न र व दि मी दी न सू ख
स फ यु रु भ्य न २ द हि ये मू ग्नि या धा न रि ख ण नि क न द नि स न ॥ १० ॥
कु मे न द द ल वि क न न य न क न नि खा य न क न ध न २ मा यि ऊ गु ति

* गिन भा व यि यु नू च न न की प्र ध ना ॥ ० ॥ ना ग रु न वि ॥ द व दि गी व न

कुंमूत ददलविकनेनयेन कनतिखायेन कनधन २ मायि ऊरुति

मिग भावयिगुचननन्नी प्रधना ॥ ० ॥ नागरुचवि ॥ देवदिगंवन
धवलकननिगजचर्मविरुखितरुचयिसमरुजनयलरुनयली
नवकालिनिगलचाययियुनमामिदूदूकन ॥ ३ ० काजसर्वप्रोक्नु
नामयहंजनमजनमगुजगनना ॥ ४ ॥ सहजाधनमयओत्रओमन
विजदूविजुवनकयिययक्ल्लान्नीकायचक्रमयीचउमदूर्जमः
विद्यनविनागनयुनमामिदू२काना ॥ ५ ॥ यनयानिलकिमछनओ
मिगहगहगुनीगंओनिनूयजानदमून्नियुनजनमननरुयदूरव
विनासनियुनमामिदू२काना ॥ ६ ॥ नागनननगीनमालानविग

x
२३
३

आनआनीनिनुधीनामिहवविममिथ्रीमगवजसत्वयुनमामिदुं
कान॥०॥**नागविहस**॥ललिनलालनातिलालयकेथकियखन
कन२हहनुवगुमनिहहिल्यहसाएवहहवुजिववीश्वरवनाग्र
हःवजवाजसआगिहनुवसहउनिनावननावननाइन२गयः
न्यवयनमभाहवभाहिल्यसमनसदमनुवजानुन॥३॥कर्कचि
कुलुलमलहलम्यखनन्यवूललमकानु२निनिनिहहुमाप्पीः
जुदयआगिसमनभटगुनुवजधाभ॥४॥वानिचननभादसुरु
मलुलआ०वयनविकलानुन२जुष्टममभकिठगुहनुखयन

रुवरुवयुजन्यककुभा॥५॥रुनतिकर्कमरुनवमसिअववन

मधुलब्ध ० वयन विकला नृप २ अष्टम मन्त्राभक्ति उगुरु नृवयन

रुनरुनय अन्यक कृ ॥ ५ ॥ रुनति कर्तुमरुतुन वृषसि अवनन
वृजद्रुविसेषु २ रुमरु वरु मुनिवानमहा शुष ७ करु लया अन्यक
कृ ॥ ० ॥ नागमाला ॥ निऊरु वरु वधु वरु वसयिया २ गिन वरु
गमन आ गीनिययी सयी ॥ आनदा नि वाकुलि अनदा नि नान्य
नि रु नृवामनस पूरु ॥ श्री उ दयान्य आ लयी वरु ली २ सिन अन्यः
हा कि नि नि कि वरु ॥ ५ ॥ आलि कालि उ यी नाल वा उ र्य २ च व
आ गिनि मु गल गीत्य ॥ ५ ॥ ययि सयी पु दि अयस ॥ २ की दयी कम
ल क गहि जि ना धा ॥ ५ ॥ यसम नि धा नि धा नि व ना नि २ नययि ना

स्य ह नू वरु ल्य ॥ ० ॥ ना ग म ल य य ३ म ॥ हि कि के स ला क स म का द
 यि ल्य द यि ल्या दि धा न च न न ज ग म २ नि न य ग ति ना स दू ष या या य
 य ह कि न्द म नि न ल क ल्य वृ द्वा ॥ ५ वि आ ना ग ना क यू चा नू च न्द्रा व
 ज न २ जि न ऊ न नि रु य ह न णी मा न स ना । स न म य न ऊ या थी ता यू न ३
 य नि ॥ ५ ॥ ऊ न द ह ग ति म द म मू नू च का रु ऊ न ऊ नि श्व ल रु व रु नि
 २ स्य न म न स्य न सा वि स ना षा ऊ ट स क नि जी न य मु य या प न व नि ॥ ५ ॥
 न वि का ति नि य न स ग न रू न उ य यू ति न क सी ध र्था ति न व मा नू ष २ रु

व त ऊ ष ति ता ति का न म मि ता मु ग ति ता रु व न्य मी या य न व ति ॥ ५ ॥ म म

वत ऊर्ध्वगिरिगिरिकानममिता शुभगिरिता उबन्य गीयायनवति ॥ ५२ ॥ सभा
नरुयगानयून्ययदयनमामिदविश्राविस्वमूनगि २ गवचनश्चिगा
यसमीर्तुनतिगवहवनग्रीयायदुगि ॥ ० ॥ नागदसार ॥ सास्वतवः
ऊविनाजिगभालिनग्नमूककमि २ वामकत्वककयालधनियाहा ॥ थ
कनति धनिया ॥ आयीयालमद्रुकसहजानद २ कनूनसहावगधु
लिनानमद्रुकसहजादवि ॥ ५३ ॥ निनयेगूमधुलदहधनियवूनन
सीनमाला २ तिनिधुगुमरुवनकायनगुमरुवी २ कनूनका ॥ ५४ ॥
सत्वविस्वरवनवधनूरवगलायनकाधरा २ रराखववसीचद्वानन

की निवि साहिय द वि॥ ५२॥ चा निषान अ व वा धिय न न गु द्वा विहा निर
 नान गु नू या य प्र सा द न ग भ व ति य न सा धि व ड ॥ ० ॥ ना ग अ ह डी ॥ न का
 न स ह म धु ल च के द स दि ग डि ल रु ल नी २ स्व य रु द धु म न ग दू न वि
 या थि न च वू आ नी द ग्ट द्या ॥ वा ना हि (ग भ स म्भ ना ना ना हं यी या लि २ निः
 ना व नि रु रु नू वा म हा च न्दा लि ॥ ५३॥ क न ति क ना र ख ट क्क वा भ मू का
 क स दि ग वा स्य २ क न क क यून रु ट ख धु न जि न गु न जू या ना स्य ॥ ५४॥
 का ला स म्भ न गी रु नू व व वू आ न खा न्य २ म इ व ज जू सि धि गे भ न म हा मू डा
 यु नि (ध ॥ ५५॥ गु न क नू न सी हा ध व वू कू डी वि मू का यै २ म य न म हा स

हृमाथाधप्रजागिनिकनयीज्जानीदा॥५॥सहजानदरुनयीबहुनि

प्रतिपदा ॥ १ ॥ गङ्गा नदी यव वृक्ष जावि नू का पश्म यन म हास

२५
७
३

ह मा धा धा प्रजा गि नि क न यी ज्ञा नी दा ॥ ५ ॥ सह जान द रु न यी प्र रु वि
य वृ क र्ण नि वा सा २ व ज वा ना हि आ वि ग न म ये न्य स म्भ न वृ द्ध क वा लि
॥ ० ॥ ना ग सा ग न ॥ ह न म नि म लि दि त म कू ता न य न्य उ द न ता ना २ य
३ व (६) स्व रि त म न्द ल म दा ल उ ग त हि ता ना ॥ ना वृ गु गु रु म रु व न्धू
ल वा क्कु ला द वि मा रु २ चा नि म ल च वृ वि द्य न वि ना ग न क्ष वे नि मा नः
य ना य ॥ ५ ॥ स म य स ल्य न्न न ना नि वा क्कु ला द वि ना च नि उ द न ता ना २
गि क्क ना द द म न् वा उ यि गा मा न य ना य ॥ ५ ॥ बा द्य च र्म क नि म्य व ल स्त
रि त ग्री व न्द न न नि न मा ला २ न्द मू न्द व ल्वा क धा न क न ध नि व ज

याला॥३॥ नि नि नि भाय न रि व म द हा दू म ह दू ख रु य ह न ना २ च कि
 कू लु ल क लि नू च क सा रि त ल लि ग म हा का ला ॥०॥ ना ना (गो) गु रि ॥ अ व
 नि नि रि त जा नू वि ला ग म द हा २ क क न नि टाय न रि ख म व य न्य भा ग
 ना २ दू २ जा त अ च ल क्सा ध ना जा ॥ नि वि दि द्य न दू नि सा रि त मी (ग श्य)
 स ख क्सा नि रि हू व न ना था ॥ ह नि ह न व द्वा ० नू च व माला २ मा न वि
 द्य ग न स फू रु य ह न ना ॥ वि वि दि न त्र मा नि ले कू न द हा २ ज ग न वि वा कि
 ग व न रु ल दाय के ॥०॥ ना ना ॥ क टि य क नू ना द वि नू द माल क्सा २ २ ग
 ह जू जे नि ठ न वा क्कु ल द वि ना च यि ॥ उ का लि ग न रि हू व न व द्वा स्य गु

३ उ का लि ग न या ॥ रु द वा च ला ट वि कू ग त र त न न २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

[illegible]

॥ गहिरुलवजयि गमधमयि नायि वयियायि २ हल काल जलयनया
 यि गयि हलवज नयायि ॥ चवसर्मक गुत्रि निला कयु नल वयिया २ म
 लयाज ०० दान सा लि न दू नू वज याय ॥ यखान द न के न गसा धसा
 धन मू न्दयि २ नि न गुह जू ग च ना वयि तदि ऊ स ना पु यता ॥ ० ॥ ना ग
 गमधुयि ॥ दा वि नि स न व न वि ला स यि कसा २ उ ध दू रु ला द्ध मी द ना रु
 न्त धि न का ऊ नि वा नि या न ॥ जू मि य जू मि ता रु ना ऊ न वि ना म यि २
 सरु ऊ गु द नि ल या ऊ नि न दू न य यि स यि ॥ न च वू ऊ गि नि १ गे म ना २
 वज वा ना हि आ लि ग न काल ॥ उ ध दू रु ला दा के नू न क न वा लि २ ऊ य

आहलि गन नि ना व नि न वाल ॥ ० ॥ सर्व ना ध ग ना सी र्क सर्व ना ध ग ना

पञ्चावनाहोश्रीलिंगनिर्वाला ॥ ३ ॥ धरुहलादीकनूनकनवालि २ अय

२ य वि ३ ७ ३

आहलीगननिनावनि नवालि ॥ ० ॥ सर्वनाथागगासैर्नसर्वनाथागगा
लय २ सर्वनाथागगासान्कदगामधुलमूलमै २ सर्वधर्मेगननात्मीरु
स्वमंदलमूलमै ॥ ० ॥ **नाग** ॥ यविगगुरुगवनमोहामूक्षयुनजदस
यिन्नगनवाधियदी २ जनामननरुयवन्धनम्वचययनमाभुनयन
मयुन ॥ सर्वनाथागगयूजनायद्यातयिमीम्ययायनन २ युश्यासदि
खितयनिधननगथनान्नगनवाधियदी ॥ कलुमउदकमकूनासनिर्क
मनाजिनकूलसमयावाजयदी २ मन्त्रैनाउनदयनसनखयदसवल
गनियविहृष्टुनै ॥ अहिवच्छमाहायाननयागमदहिविनामगया

ननन २ दसयि द्वादसग्यचनगुरु नथं नानू न वधियद ॥ नमामि ॥
 २ श्रीचक्रसर्वे नगुनू वा द्वादधनिया २ सनगुनू चनननिभगतधनि
 या अगन वधियदायक ॥ ० ॥ नाननान ॥ गिदलगुभानू वदिनकन
 मन्दन नाजिती गिरुवननननि २ नकनकनउन गिनिदयान्यमान
 चतुनद्यन कृत्तनि ॥ ददिकनगिकया लधना २ नुविननननिजमाला
 २ कर्मलकुलिसदयिगानननवाजयिनाचयिसहउगुनूयिनि ॥ ५२ ॥
 चक्रिसिर्नकन्यकुदलक ६ क ६ कसाहा २ हा ६ थल्वचक्रकनियगु
 म्यरवनन्यनायूनरुषिनि ॥ ५३ ॥ रुवयनियानलभउधनगदादिनरु

नकुसाश्चावाकावविवक्तिरन्ननननगगगंलनगिनि॥५॥गगगगग

न्यरवनन्यनापूनरुवाविना **पु** रुवयात्रयानलनैज धननैदाहिनैली

नकुसा २ रुवा रुव विवजित नून नन गयनं शुत्रु यिनि **पु** यदमवः
ऊयदमि नन गनरु निया गन वयि रुस कुलिसा २ नून नन निविभादः
यदाय नियन मामि धीवज ऊगिनी ॥ ० ॥ **नाग रुन वि** यूर्वव द्मयनिह
नीवाहाना कन कर्वन नूद शुग धानि २ उग नमह श्वनि विरववाहान
चन्दन धवल पिशुल रुसा ॥ रुवा नूद मसान ननिनवलन गदिन
नूद रुन वगवय निसहि न २ नूद निविज नून चनन भाद यदायनिः
शुमन नैया ० विना रुस नि **पु** यच्चिम नूद यनिह सिवाहाना कूक
मवुना विज यरुसा २ दद्वि वाना हि घनधान नूयि जूक सहि नामदि

रवा ॥ नि ॥ ५ ॥ नृसानच निद विधूमवना कन रिमूल ववलि वाहनाः
२ ज्ञा (ग्रदी ॥ कीम निमयूनमाहानन गगला द्वा वनन ॥ किहस्मा ॥ ५ ॥
ने ॥ भविष्क विगत्रुड वाहान गदा चक हस्मामय नक्ष निश्वायू व चामू
दि के कालवर्न निद्रा वाह २ नाखद गहस्मा ॥ ५ ॥ अष्ट कुलना गद्यान्माः
क्षानि र्वतुया लसहि न जूष्ट द विश्यनमामिद विन वेयाद अचि
ल हू गु निमू गु निजस्य जिद्धि कनिर्या ॥ ० ॥ नाग र्वन वि चन्द्रा ग्रमः
॥ न प्रीय ॥ वृक्षा वासू विनागम गद्धि गभद्या २ गद्ध नय अभाय वृद्ध
भद्यनया भद्याट द्वा क नागम ॥ ० ॥ नृजमजलज द्वा हू ग वायू वक्त्रि नद्ध

दिग वलिद्यन्नि न २ अष्ट भू भान च नि ॥ नि वि न ग्न नक्ष चयिम द्वा

वधनयामिद्याट दकनागम ॥ ॐ न्यउमउलउ दकह न वायूवाङ्मनद

२० विद्यापि

दिगवल्लिद्यन्ति न २ अरु मम न च्छु नि म वि न म न च यि स रु जा
न न्द ॥ ५ ॥ य न म ह म ह य द्र म द्र य द्र न अ यि न अ दृ दृ ह म न २ ल अ
वाना अ न्य क ना या ना रि नै क उ रि व न ॥ ६ ॥ कै कालि धा ना ना या म्यः
घा आ ल क क्षा ला क नै क न २ म डि ना सा का य व मा या ना द्र म्य दा च व
द न ॥ ७ ॥ व न मि त भ द्या द्र लि क ना ग व क डि धा ना अ न्ध न २ स र
या ल ना ग च न्द या ल व द्रा अ यि न कि ल की ला यी न ॥ ८ ॥ दा द म ह वा द
द म ह आ च व म ह नि नि नी नि ला य ना २ रु न यि कु न्न सा न द व स म्ब न
कालि ना रि य द ना ॥ ० ॥ ना ग माल व ॥ व डि धा नि वि या लि च छाली २ रि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

दिनि वायि उम्बु कउल किनि॥ नमामि ऊगमन्त्र नरुन्य न्वनी॥ निनिने
गुद विगिरु वनय निस्स॥ ५॥ चतुनदिगद रुनल गुद विशज किनि
दायि निशसि कम्भा किनि॥ ५॥ युवउत नय छिमे दौ ददि नदिगद वि
२ निनि निनी नाच निद वी॥ ५॥ रुविह नव द्वा लू न्द जसू नम (भादम
द विसम नल से व॥ ०॥ नग रुन दि॥ नम दू का नल नू वध नू २ शु समि
खउ ना नू ननू वा॥ गना दू गे ना दू गना ग ग दू दू॥ ५॥ धव नसू संधा
नी द रु धनू २ सन दसू सा हिय च नु म दू॥ ५॥ द छु आलिं झन था गः
धनू २ वज द छ मू डा धनू॥ ५॥ माया विद हान लिन ऊय सा हिय का

धनुश्चैव जघनं मूलाधनुः॥ पु॥ मायाविदहानलिनजयसाहियका

वनत्रयसत्त्वमदं॥०॥ जागयनमजलि॥ अनिलजनलजलजलजल व
माज्यम्यनुमलुलचक्रनारीश्वरजयञ्जनमनेजालसयदयनिरुलिन
रुनुवावाय॥ उमनु कलियाभनकनु एजालीगनरुनु वादलिय
यावजवावाहिजालिअनसम्वनकुलयीया॥ पु॥ गिरुवनरुमनः
कुवायरुटाजागिरुवनरुमनकुविनाशगिरुवनचनोउनप्रसाया
नगिरुवनरुमानकुवीना॥ पु॥ कुनिगविनविनधनजहिश्नहि
श्नसुस्माभनश्ननुचवजभादभदविमिलियवचनसरावा॥ पु॥
जहिनिनरुन्यालरुलीयद्वादिगलरुवरुवश्ननमननरुव

वन्धनच्छादिगलरुद्वगयनश्चराव॥०॥ नागरुनवि॥ नमामिः
नमामि आगमधामुनश्चनस्नादाकिनिज्जालिङ्गनाश्च विगिरुन
नञ्जतिनवलिरुदरास्नानदाकिनियनम्यश्चनिधि॥ गीतनाई २
भूतभूत॥ दक्षिनदमन्वामधनधनक्षत्रग्रिवृक्षकयालधनार्
वज्रधृष्टिभायनशुभप्रियहानिदक्षधमिद्यानटना॥ ५॥ विः
विधिमन्वतविद्यविनासनिनिद्विसिद्धिवनदाकिनिश्कर्म
कर्मश्चक्योक्तयययैकनञ्जदिवाद्युयनम्यश्चनी॥ ५॥ यनमवजयन
माद्युवरुगवगिरुवरुयनमुनियून्ययदश्चनशुर्वरुटववद्ध

भाष्ट वरुग वाग रु वरुय नमु। नयून्ययद २ रु नरु रु वरुट व वद्ध

२८
२९
३०
३१

नसादसजम्भतुज गतां वीश्वना॥०॥ **नागगुणवली**॥ लीवकननिः
लीवाधनगिनयन २ कधसाकाकनसिन्धुनरु विना॥ तागाद्याधन
भउ नहा रथयन शुधर २ गजमूत्र द शुग धात्रिकनिया॥ **धु** अरु नि
नरु निभाहा आकवनि २ आदिमध्वा न्क व वल्यानसिधिकन॥ **३**
स्वगमययाताल गिरु वन्य २ गलयनियूतिल्यसर्व कोर्तसिधि॥ **धु**
निधिसिधिला कायसैयूर्ध्व २ अयविश्वनास्व न गिरु व व्यायिना॥ ती
न॥०॥ **नागगुणवली**॥ वन्दे शुक्र द्रियसैकै निज कस निनामाग्यमः
धमा ध्मायी २ गरु निगल्वरु मयी नज दयन्यसमेहोयी॥ कनथिवा

अजलविंदुसमसीसाप्रयिनामागामायाप्रसक्तनिधर्मनिधित
ॐ अजलमसचिन्ताप्रमाहृत्तुधनवीधाप्रदयियायूनानिरुद्धा
प्रनागविनागनगवृत्ता॥५॥ धर्मकनिकनरुनाप्रयश्चकामवा
धश्चायुक्षयगताप्रस्यवृत्तगनरुमधुजा॥५॥ प्रहृयायनरव्यनः
नस्यनत्ववृत्तसिञ्जागिश्चस्यनत्वजनरुजागीप्रजवसेवधयुनिः
जायी॥ नागमलाद॥ अउधहानाचवनालिलयनकायाकलवि
हानैश्चियवजावासनदवधायिलयश्चरिषुद्धाद्धा॥ चाललिह
नावृट्तागिवन्धनकलविहानैश्चकायाद्धादिजन्यगदमाने

नावृट्जागिवन्वा न कलावहा न रकायाक्काद अन्वयना दानाम

नमूदकवा ने॥**ध्रु॥** आथखम् वय कृतिगाननस्वरितनवद्वाने
श्यन्दिटयातनदवथयिलये श्रुसीङ्ग रुद्धाहा॥**ध्रु॥** कायाचन्द्रका
यागुञ्जकायानद्वगमाला २ कायाजग्निवायुवेन्नन्यकाया शुभ्यन्ः
मधुले॥**ध्रु॥** कायगयाकृतकायमाहावधि कायासर्वेतिथ २ का
यानिथेजानूवमसिज्ववध्ववस्यजग्निवन्कीक॥०॥**नागमथध्रु**
मथ॥ऊर्यैश्वाक्कुलिहन्वद्यननिश्मयालशुना शुनऊगगउधन
नी॥**ध्रु॥** गहुरुगवतियाठकमललिमधुलन्यचून्ननूर्नीकालाः
हादमानआरुननविकुषितन्यउनद्यन्कुउलाला निनितिनिति

निगिदिनिगनिनयना ॥ १२ ॥ कनरि कया नली (ग क ३३ नरु ला २
 कविनि के (ध व न म क र क सा ॥ १३ ॥ मि न स मि न्ध न ली (ग क ३३ ल
 रु ना २ क मु नि क यू न गा भ्वा न शु व मा ला ॥ रु न सि मु न र व ड वा च्छ
 लि दा सा २ व ड द वि य ग ॥ १४ ॥ रु रु व या सा ॥ ० ॥ क न र न वि ॥ वृ द्वा न
 का का स्या द वि स्तु न यि जू नै र्ग का धि नि २ मा न ० न्द्र स ग न य नि वार्
 ना ग य न मा न नि वृ न्द्र ॥ घ घ घा ग य २ ग वी दू स न कि ल य रु रु दः
 या य ॥ श्री व ड स ए ज्ञा ह्वा न का य वा क चि रु कि ल भ उ रु न द्वा न
 उ लू का स्या द वि स्तु न यि जू न नु का धि नि २ मा न यि य द ग ग ण य

विवाचानां यमात्रा निवृत्त्युत्तरं ॥ ५२ ॥ यद्विष्णुमहाप्रस्थानाय स्यादविष्णु
नयि जूननुक्ताधिनिश्मात्रयि नागसंगलय विवाचानां गायमात्रा
निवृत्त्युत्तरं ॥ ५३ ॥ दक्षिणमहाप्रस्थानाय स्यादविष्णु नयि जूननुक्ताधिनिश्
मात्रयि संगनयनि वाचानां गायमात्रा निवृत्त्युत्तरं ॥ ५४ ॥ जूगयक्ता
लयमगाधिदविष्णु नयि जूननुक्ताधिनिश्मात्रयि जूलसंगनयनि
वाचानां समात्रा निवृत्त्युत्तरं ॥ ५५ ॥ नैवृत्यक्तालयमद्विदविष्णु नयि
जूननुक्ताधिनिश्मात्रयि नागसंगनयनि वाचानां गायमात्रा नि
वृत्त्युत्तरं ॥ ५६ ॥ वायव्यक्तालयमद्विदविष्णु नयि जूननुक्ताधि

निश्मानयिञ्जनिलगगनयवानीनाभयमानात्रिवृत्त॥५॥
 उद्धवाभषलुगोहादेवीसूत्रयिञ्जनकुकाधिनीश्मानवृद्धनसग
 नयनिवाजानाभमानात्रिवृत्त॥५॥ अद्धवाभउयखीलुगोहा
 दविस्त्रयिञ्जनकुकाधिनीश्मानयिचक्रिसगनयनिवाजानाभ
 यमानात्रिवृत्त॥५॥ ॥ नागवलाठि॥ नागलीकटि॥ आदिभूना
 सगीवविसञ्जनिलानलसलरुमिश्रसम्वभश्निषत्रमाजीसर्वः
 मधुलस्मिन्॥ जकजकिनीसर्वगगलवायितयुक्तिरवक्ष्यजाग्रा
 यश्चिन्तिगमानसवाहिस्ररुर्वञ्जूरुनसिद्धियेदाता॥ प्रिसमाः

५
 ५
 ५
 ५
 ५

विआ। गमनु विन्यासं स्वस्वद वयनियुक्ती २ काकयावानमृत्पयकार्य
जुद्धयनसर्वधियाला ॥ ध्रु ॥ विश्वद्वलि मम ध्व ॥ कं कानजानै रूटागी
नकाव २ विश्वयर्कं उम ध्व ॥ जुद्धयकार्यसर्वदवसस्तिने ॥ ध्रु ॥ युक्च
न (६) मिर्जगत ध्रुनियारुष्टयिन ॥ नगावज २ तिरुवनयायित तत्त्व
स्वरावैरुत्रि (६) लंगग (६) लीना ॥ ध्रु ॥ ॥ नागवलाति ॥ टालमास
नगनहा ० गानामधुलला काटिहा ० गानादहा २ दह काटिहा ०
गानाकागिदिव न्दवारु चिन्तै नैवा ॥ उ कमधुललारुलिनन
कागिदिव न्द २ वज धात्वे श्वनी क (६) जालिगी वारु गकलमा

श्री॥ पूर्वयाचक। त्रियालदद्विद्वानत्तविरुत्रियाश्यमयूवाय
कासला उरुनह्यगंधत्रिया॥ ध्र॥ सम्यटडा गरुगठा मिया
उसाकनालि२ कायवाकचिरुममधुलवाउरुनिननगगलदः
हृति॥ ध्र॥ कायगकायनूयगन्धयनसस्यगन्धिमिलियाधर्म
धरुहायि२ कर्तुयामधुलचर्योगावृत्रवादिनयूजनहायि॥ ध्र॥
॥ जूरिषकयवग॥ नमस्कात्रकायजूरि॥ धवतलधु॥ मयकसुलव
प्रकालाकासमुदितगजसदृशकभाजावगमनसरावसमाधिगु
नूचलकोलाकाजुद्वयज्ञानगुरीलीनमहाजावजिनवनरुषिराद

द्वतप्रकालाकातथतामीयतकनसचम्यजावमदितविलागित

हवन् कालाका नथ तासैयुत कनू एव स्य जाव मुदि न विला गित
 धर्म ते नू का ना का विरु वन उय उय म क न जाव (मो नृ त्यः
 गिव उ स ल्व य न म गु न ॥ ययि का र्ज ये भा न च ल्प या धर्म द या स गी त
 काम नू यी स जा न यू (हु न्द क ला विला यी तिन स्य मा ता तिन स न्द नी
 ली न मा मि ता न द नि स ग्ध नी ली ॥ ४४ ॥ ना ग मा न ग्री ॥ ना व द
 ऊ मा न ॥ धू मी गा नि च लु क ना नि २ शी व न रिं ग न क स णि न य न
 ॥ ५ ॥ रु उ यी या रु द न स रु उ ग न दू ति २ न ना ना विल व म हः
 व नि यू न ॥ रु उ यि या रु रु ट का न क न क न क स म या न दि न ओ

गमस्त्रिदशवीश्वरुनिवतत्रिचउमूहवयन॥ ४॥ नितर्कका
नचुणवनिस्त्रहियशयुक्तिकर्नधुसमाकनस्त्रहिय॥ ५॥ भाड
महावनियतिदनग्रहनमचुमीसदमलधिनज्जालन॥ ६॥
॥ नागहिनवि॥ ताजउति॥ यूवदिगम॥ नचधुयभसनदविव
झायनीहसागानीशउरुनदिगम॥ नगन्धवभसानददवीनूः
दायनीवृखवाहानी॥ ७॥ रुनवमहाकानगनयतिकुमाला
विलदगयालउदउदनी॥ यूजियाभममज्जनिवलिबुधिन
धीवृगभिकामिमाहगनात्रुदरुवनध्रीज्जभसानरुणयन

नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय

नयि भव गना ॥ यश्चि मदि गभश्च न हला कृ भसान्यदवि ००
 न्यायनि गज वानि रने ० यदि गभश्च न लक्ष्मि वर्धु भसान्दवी
 वेष्टु वी गवृ गसनी ॥ ५॥ वायु यदि गभश्च न धाला च भसान्द
 वि चामुष्टु मृ गसनी २ ०० भानदि गभश्च न किलिका भसान्द
 वी मरु लक्ष्मि सिंह वाहानी ॥ ५॥ दक्षिणादि गभश्च न कलक भ
 सान्दवि वाना हिमहिवा भनी ॥ ५॥ ज्ञा (ग्रयादि गभश्च न जू
 मरु भसान्दवी कोमानी मयिना भनी २८ ॥ ॥ वागरे वे वि
 ॥ वा नज नि ॥ गज मुख विषय मता न्द वयद व व नृ र्या धियगः

(६) श्वनाय २ रु नम नि मुक्ता न त्ना रु न द्वा त नृ हा कि न न र्सी का स
 ॥ ५ ॥ मा निया वि द्यु मा लिया द र्ये मा लिया क्ष ष वि दा न र्णी २ मा लि
 या मा या मा न स न्ना सा भ नू य मु दि त ना सि ता ॥ य न सु वा ना कु म्भः
 व ड ख ग रि षु न या न जू ति द हि न क ना २ मु स न ध नू र व स्वी (गः
 ख य न रु ल के च वा भ ॥ ५ ॥ वि चि त्त व मु क च के ति वा सा ज टा ज
 त म नि म ति ना २ ली व क न नं भ्वा द न सा रा या य न स्त्री मि ङ्ग मि वाः
 उ र्क ॥ ५ ॥ न त्ना रु न ध न न त्ना ग नि ता मू रि व क मू र व जू ति शु न्द
 ना २ दि मा द त्वा त्व म सू दा ना न म मु २ ग (६) श्व ना ॥ ॥ न ग र्ज नः

* वि॥ ना न न क ता न ॥ य त्या नि द य द ग वा का न्का र व द्र ल भ्वा द न न

वि॥ ता ननु कता न॥ यथा निरयदे गवाका न्मा ख ध्वल भाद लक्ष
 षू नूया २ न क व द नि ति नि न य ना च तु रु उ आ वा य च न मे क रि व
 सि नि ॥ ४२ ॥ द वि न क ज ति ज ग र ज न नी रु व रु व व रु य नू यि
 नि २ स व ज ग र ज आ ल्य रु व क न लि कृ द नी य रु द रु ल मा रु
 दा य नि ॥ ४३ ॥ ख प्र क लि क या ल नि ला ल्य ना वाम द हि न रु उ क
 लि २ अ रु ना गा रु न न वि रु वि न जी व नू लु न ल न ल गिल मा ना
 ॥ ४४ ॥ च वि अ क्ता रु सिल म नि कृ लु ल के लि न ल न स र वा २ स रु
 ल च क र व च न क टि अ भा य सि धि य अ मू डा रु वि नी ॥ ४५ ॥

॥ स ग गुरु नमः सा द ग म व न्नि निरु र्यं क न मा या य न म्य श्व श्रा य मा
२ श्री उ ग गा ना सि न ग न ध त्रि यो न क वि भा रु न ध नी या ॥ ॥
ना ग म ला न ॥ ना न ॥ न क व द न न न्न म कू ट ज्वा ली क ना २ च रु
रु ऊ र्व ऊ यू क स न ध नू धा नि ॥ ५ ॥ न मा मि म र्शु श्री य न म न
त्य श्व त्रि २ स य न ज्ञा सा य त्रि यू त्रि न उ ध नि ॥ ६ ॥ द हि (६) श्री ग
द य नि वा म श्री म हा का ल २ स ग दाम दु न मा ष य हा लि न स्मि ना
॥ ७ ॥ श्रि सी हा ल ना या वि श्व वि या पि ना २ ज्ज रु रु य व दू वा
धि दू लि न रु न ना ॥ ८ ॥ व ज ध ल य म्भ दि न दा सा रु य यि या २ गु

X. אלה הן המצוות אשר צונו לעשותם

१ जू सू ऊ न व जू सू ऊ। गि नि सा हि न कू सु भ व न न नू॥ ॥ न
मा मि न मा मि ग्री वा ग्म नि नि (थे) रु दि न द वी ग्री ख ग्म न ना २
ऊ ल्म ऊ ल्म मा दू दा य नि य न मा मि सि दि च कू श्व ना॥ ॥ गुरु ॥ ॥
ॐ॥ ॥ ~~नमः~~ नमः॥ नमः कू का कू द दू ध नू २ स च्छु यि ग्म त्वः
उ ग्म न म नू॥ न ना दू २ न ना दू न न ना दू २॥ ध व ल ग्म सी द दू ध नू
सा ल द ग्म स्व य का ल्म स्म नू॥ न ना दू २ न न ना दू॥ ॐ॥ दा दा ज्ञाः
लि ग्म द या ग ध नू २ द द्वा व जू द मू नू डा म नू वा॥ न॥ ॐ॥ मा या
वि द दू स्व ला न ऊ (ग) २ सा हि र्य व जू स त्व य ल म श्व नी॥ ॐ॥ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमामि श्रीचतुर्माह्यारवतदवाधुमलतियाः
 यरुयरुलन्य २ उगगुयालिगुगनरुवरवहचनमात्रलियुक्त
 दनसरुललना ॥ १ ॥ दू १ धलनिमलुलउयलित्रविगसिमलेल
 जानुयादनस्य जूचनविना ॥ गर्जघनकिमूर्तिनिनवर्तनाका
 निविदिघनकाटगिलाकविना ॥ दहिनिखेगउआतिविजान
 नेगिरुवहाकीयिनरुने २ उगुजनिरुतैगगगियासधनदूसा
 दिदूखनिर्वैधकनदी ॥ ३ ॥ जूगिधाषनादिननादरुयकन
 गिलाचटागिनाककनदी २ दूखरवउगयाहा नमालवलनास

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नृदभदिगमानसुखाभकल्लर्षी॥ ६॥ यश्च सुखगतरुनन
 संहननविद्यतविनाभनञ्चलविना॥ २॥ अतिमध्ययनमादि
 वदसहगनरुनयियत्रुमादिवजगुत्रुभुमनना॥ ६॥

१ वागनात॥ गालमाय॥ धातका नगव अश्वधियाव॥ सिद्धाश्वी
 त्वेधदरुनलदेदव॥ ६॥ नमामिगीलाकञ्जिगुनवधथा॥ क
 लनामयगतदधाली॥ ७॥ हविदवतक्राञ्जिडादिगयावा॥ नागर
 रुगुनवदिगयलला॥ ८॥ गुञ्जिगुलनयायदवला॥ वाधिदधि
 ददरुयदवेनि॥ ९॥ गुञ्जिगुलनयायदवला॥ वाधिदधि

१ वागनात॥ गालमाय॥ धातका नगव अश्वधियाव॥ सिद्धाश्वी
 त्वेधदरुनलदेदव॥ ६॥ नमामिगीलाकञ्जिगुनवधथा॥ क
 लनामयगतदधाली॥ ७॥ हविदवतक्राञ्जिडादिगयावा॥ नागर
 रुगुनवदिगयलला॥ ८॥ गुञ्जिगुलनयायदवला॥ वाधिदधि
 ददरुयदवेनि॥ ९॥ गुञ्जिगुलनयायदवला॥ वाधिदधि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

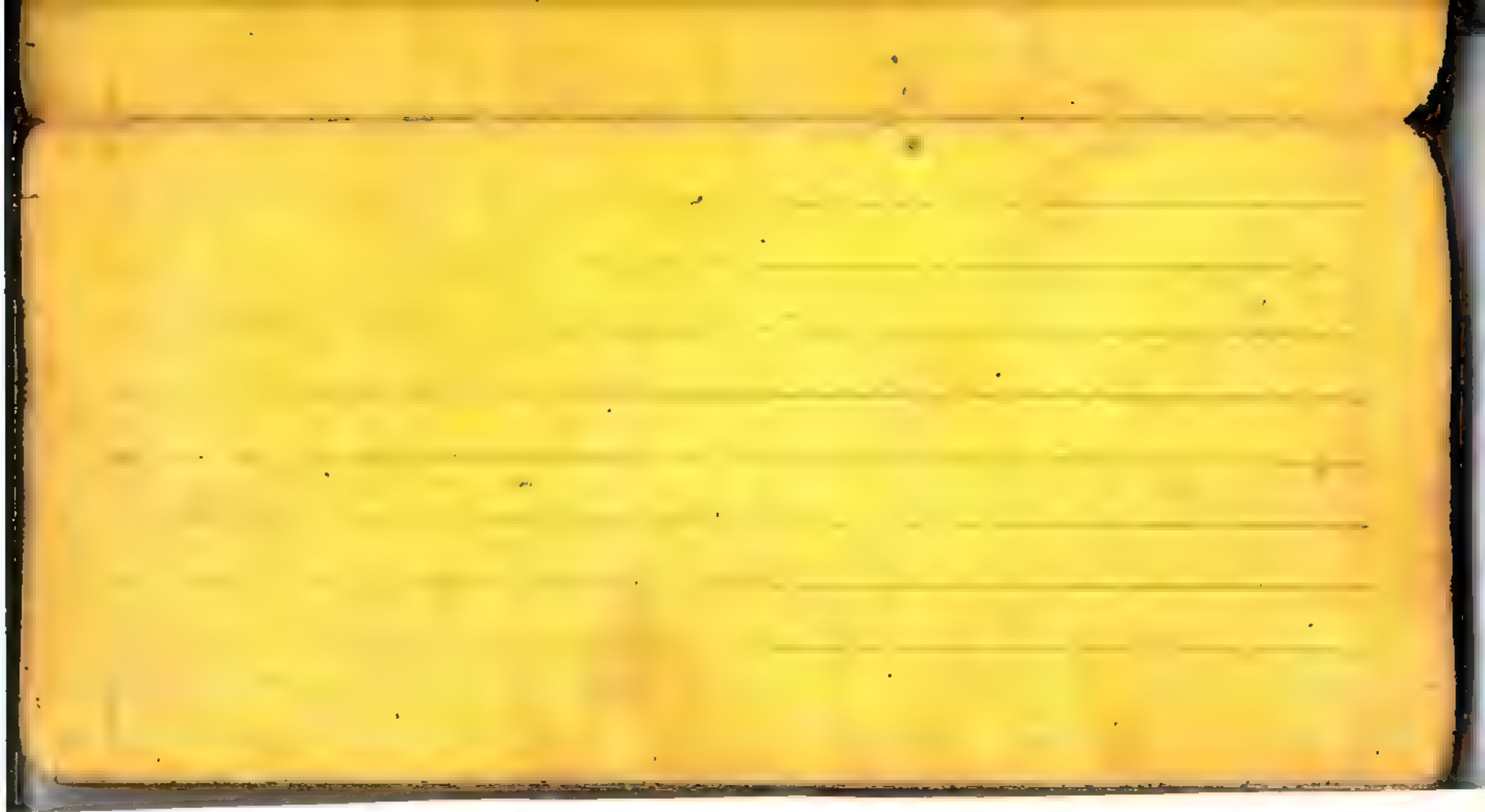
कञ्चन उतम उम उम उम ॥ ॐ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
किञ्चन उतम उम उम ॥ ॐ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मिथी चक्षुः शि, जि न उ न नि ॥ कदलि, व ल मं जि न ॥ ॐ ॥ रुद्र
क ल स वाम कक्षालि ॥ ॐ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ ॥ नि
धी द वि स न व ल मं उ बी ॥ ॐ ॥ व ध मि ल ग न धी त्री ॥ ॐ ॥ ला क ग्य व
व क या वि, न ला द वी ॥ ॐ ॥ व न, व न धु स म गु ल य क ॥ ॐ ॥ सा ॥ सु सि की
व या ॥ ॐ ॥ व धा व ति, द रु मा व, नि क उ य रा वा जि ना, सा रा रा, सु गुं
वा सु ल, व वि व न, ल ड्डी स दा थी ॥ ॐ ॥ नि उ ऊ वी धि न, सर्व व रु वि ना

अनिष्टो जथायायाथा. र न त नि. श्री व सं ध्व नि. दा वि द् दः ख य हा
स ॥ ॥

संपूर्णं सर्वगतं मनात्रयसं सर्वव्यापिन. पीत्वा सर्वविकलकषादनकं. ठा कि
नीलवृक्षानाजिन. रुचकं पवित्रं जिनगुह्यं न वा दायभाऊ पेंद ॥ रा स्या
तस्य कि या इ. कुरु विदु मन सा. नि तं प्र सं स य गी त ॥ ॥ ७ ॥

ॐ यच्छक्तालरुक्मानकायपातामूर्धनम॥ यश्च नगसयाय॥ ॐ सिद्धिनातेश्वनाय हूं रुद्रं स्वाहा॥
ॐ यश्च नाटेश्वनाय हूं रुद्रं स्वाहा॥ ॐ नृत्यनाटेश्वनाय हूं रुद्रं स्वाहा॥ ॐ गीनाततमाय हूं रुद्रं
स्वाहा॥ ॐ इंद्रं नेश्वनाय हूं रुद्रं स्वाहा॥ यच्छपवालयुगा॥ नाश्मो॥ दधवादन॥ मनुतय्य॥
ॐ वृषासंतं धादिधनगीर्गीताधिनाथं व्याघ्रतिनवनधनं गीर्गीकानकूर्कं चानावयपनम
हं संखन्वीस्वमुक्तिनातेश्वनं सकलसिद्धिकर्तनमामि॥ तालदमूरपूजा॥

























ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

१ त्रिदशकमलः उदयगिर्मधुकनसंस्कृतः सनादलादविः श्रीरुवभश्च
नीः श्रीरुवभश्चापि ताश्चलाऽप्यमदितश्चलीः च देयस्मनसं ॥ २ ॥ त्रिदश
हं का नमस्कृतं सुस्मिन् यत्र भस्वनी, ॐ स्वाहा तिरुवभश्च स्मिन्मा रवर्यं कृतं
ॐ रुमं गलरुवर्क ॥ ६६ ॥ त्रिदशकमलं यात्रा गमात्रा इत्या ॐ रु ॥ ६६ ॥ ४ ॥
१ सुदुःखसुखाः राजमात्रा ॥ १ ॥ सुखात्तनीयं परिदूःखं चात्रिमनः स्वमात्रः स्व
मात्रं च ॐ नमः ॥ २ ॥ ॐ सुखात्तनीयं परिदूःखं चात्रिमनः स्वमात्रः स्व
मात्रं च ॐ नमः ॥ ३ ॥ १ त्रिदशकमलं यात्रा गमात्रा ॥ उदयनं यात्रा मनाः सुमनि
हेतुनाः गलनात्तनीयं परिदूःखं चात्रिमनः स्वमात्रः स्व
मात्रं च ॐ नमः ॥ ४ ॥ १ धनाद्याना गमात्रा ॥ ॥ ५ ॥ कदम्बं

वदनं वसुधाः लघुकदम्बं रुवभश्च वसुधा माः नवा दलं सुलं सुखापि नूः
गीतं परिमनः ॐ गलनात्तनीयं परिदूःखं चात्रिमनः स्वमात्रः स्व
मात्रं च ॐ नमः ॥ ६ ॥ १ धनाद्याना गमात्रा ॥ ॥ ७ ॥ कदम्बं

॥ १५ ॥ धनं वा नमः ॥ ॥ प्रकदन्

वद न व सो राः लखू क रु र्मुद्र न सं व या माः न वा दल सु ल मू खा वि नू धोः
 श्री तं प रि स गः शी ग ल ण सूर्य ॥ ॐ ॥ न वा के नः ग ज मू ख य आ ना ठा मा ना
 १ ना ग वि रा म ॥ ॥ २ श्री स्व लुः शी न जि स्व प्रः जि स्व प ष्ट वा साः मा तं
 ग मू किः क कु ता रु म हा न व रि ॥ ॐ ॥ अ कृष्ण व न्न न न प्रा ४ ग व नी ल
 ऊ र्ज मा ग ह तिः व ल य मू क र नी ल क ति ॥ ॐ ॥ ध न ध न याः ना ठा मा ना रु ना
 १ ना ग वि रा म ॥ ॥ ला कारु पि काः ज न न यु सार्कः प र्षा सू वा यू स न ना व म
 य ॥ ० ॥ हा न व्य र्य रुः ध न ग नि र्यः आ न न्य यू र्ध्व प ति र्यै रु रा व ॥
 १ ना ग ज्व द जि वि ॥ न गा मू का का र्क य थं य ति द्रुः भा पा द य रिः मृ दू पू षा
 त रे ॥ ॐ ॥ हु न र्त नः पु रि न दृ पि वा र्ताः ग मी जि का र्ती लू क लि यु दि
 र्वा ॥ ॐ ॥ च कि पू द ल या ना ठा मा ना ॥ ॐ ॥